--सूचना—

विषय:- उर्जा सुरक्षा एवं ईंधन संरक्षण के संबंध में संकल्प हेतु।
संदर्भ:- राज्यपाल के प्रमुख सचिव का पत्र क्र. 399/रा.स./यू.ए.-3/2026

--00—

संदर्भित पत्रानुसार एवं विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से वैश्विक परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए ऊर्जा व ईंधन संरक्षण (Energy and Fuel Conservation) के संदर्भ में विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा है कि विश्वविद्यालय परिसर में ऊर्जा और ईंधन संरक्षण हेतु निम्न बिन्दुओं पर अमल करने एवं संकल्प लेने का अनुरोध है-

1. विश्वविद्यालय में माह में कम से कम एक दिवस "No Combustion Day" अर्थात ईंधन की दहन को शून्य रखे जाने में सहयोग करें।
2. यथा संभव सार्वजनिक परिवाहन का उपयोग करें।
3. अधिकारी, शिक्षक एवं छात्र आपसी समन्वय से वाहन साझा करने की पद्धति अपनाये, जिससे ईंधन की बचत हो।
4. विश्वविद्यालय परिसर के भीतर आवगमन के लिये ई-रिक्शा, इलेक्ट्रिक साइकल/पैडल साइकिल के उपभोग को प्राथमिकता दे।
5. अधिकारिक बैठकों और कार्यों के लिए यथा संभव वीडियों कान्फ्रेंसिंग का उपयोग किये जाने का आहवान करें।
6. कक्ष के एयर कंडीशनर (AC) का तापमान 24°C से 27°C पर सेट रखकर, पंखे को 02 नं. में संचालित किया जाना उचित होता है, क्योकि यह तापमान स्वास्थ्य के लिए भी सही है और बिजली की भारी बचत करता है।
7. कार्यालीन समय समाप्ति के पश्चात कक्ष से बाहर निकलने वाले अंतिम अधिकारी/कर्मचारी यह प्रण लें कि, कमरे के सभी लाइट, पंखे, एसी और कंप्यूटर पूरी तरह से बंद हो।
8. कंप्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर और फोटोकॉपी मशीनों को केवल 'स्लीप मोड' या रिमोट से बंद न छोड़ें, बल्कि मुख्य पावर स्विच से प्लग ऑफ करें ताकि फैंटम लोड (अदृश्य बिजली खपत) को रोका जा सके।
9. दिन के समय जहाँ तक संभव हो, खिड़कियों के परदों को हटाकर प्राकृतिक रोशनी का उपयोग किया जाना उचित होगा।
10. कार्यालय के साथ-साथ यदि हम सब अपने घरों में भी बिजली एवं ईंधन का उपयोग न्यूनतम और समझदारी से करें।

आइए, हम सभी विश्वविद्यालय के स्टाफ मिलकर अपने कार्यालय की ऊर्जा और ईंधन को संरक्षित करने में अपना बहुमूल्य योगदान दें, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा संरक्षण का यह संकल्प पूरी तरह सफल हो सके।

कुलसचिव
साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय